अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सहज कृषि का सार	3
2.	श्रीमाताजी के सहज कृषि पर उदगार	4-6
3.	सहज कृषि तकनीक	6-7
4.	सहजयोग की चैतन्य लहरियों का प्रभाव एवं सहज कृषि की उपलब्धियाँ	8-31
5.	राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट सहज कृषि परीक्षण दिशा निर्देश 29-37	32-41
6.	राष्ट्रीय सहजयोग कृषि कमेटि के सदस्य वर्ष 2015	42-48
7.	सहज कृषि परीक्षण प्रपत्र 1, 2	

तो हमें लिखें या ई-मेल करें-

राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट नई दिल्ली (मु. जयपुर)

- अध्यक्ष पू. ने. ट.एवं प्रभारी, सहज योग प्रचार प्रसार कमेटी
  श्रीचन्द चौधरी मो. 9829010470
  F-79-B, रोड़ नं. 6, विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर 302013
  दूरभाष नं. 0141-2330470, **फेक्स** - 0141-2331149,
  मो. 9829010470, 9001892092
  ई-मेलः- mother_shrichand@yahoo.co.in.
- सचिव एवं नेशनल कृषि कोर्डीनेटर - श्री जी.डी पारीक
  मो. 9828451514 **ई-मेलः**- gdpareek@yahoo.com
- नेशनल ट्रस्टी, राजस्थान - कर्नल श्री ए. एस. धुमन मो. 9636722240
- राजस्थान समन्वयक श्री महेश सैनी मो. 9928421850
- एच. एच. श्रीमाताजी निर्मला देवी सहजयोग ट्रस्ट
  जनोपयोगी भवन के पीछे, मन्दिर मार्ग, सेक्टर 9, मानसरोवर, जयपुर
  मो. 9829051262, वेबसाइटः- **www. Sahajkrishi.com**

मानव सुक्ष्म तंत्र

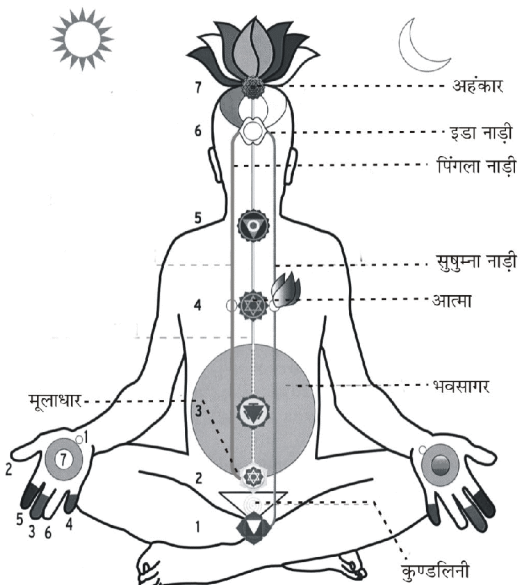

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
मूलाधार चक्र	स्वाधिष्ठान चक्र	नाभि चक्र	अनहत चक्र	विशुद्धि चक्र	आज्ञा चक्र	सहस्त्रार
(अबोधिता)	(सृजनात्मकनिकता)	(विकास)	(सुरक्षा)	(सामूहिकता)	(क्षमाभाव)	(एकीकरण) प्रति अहंकार

परम् पूज्य श्रीमाताजी निर्मला देवी

-: सहज कृषि का सार :-

श्री माताजी ने बतलाया कि वाइब्रेशन चैतन्य लहरियाँ/ स्पंद एक जीवन्त प्रक्रिया है जो सोचती है और कार्य करती है। जिस प्रकार लोहे पर चुम्बक का प्रभाव होता है। उसी प्रकार यह कार्य करती है। इन चैतन्य लहरियों का प्रभाव जीवन्त चीजों पर क्रमशः पृथ्वी, पानी, वनस्पति, वातावरण के साथ-साथ मानव के उत्थान पर भी पड़ता हैं। अतः हम सहज कृषि को खाद्यान्त, दलहन, तिलहनी फसलों बागवानी, फल, फूल, सब्जी, मसाले, औषधियाँ, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, वर्मी कम्पोस्ट, मुर्गी पालन, चाय बागान, रबर, मछली पालन इत्यादि में प्रयोग कर अधिक गुणवत्ता वाले उत्पाद प्राप्त करके खुशहाल हो सकते हैं।

श्रीमाताजी श्री निर्मला देवी के सहज कृषि पर उदगार

1. **सी.डी. पब्लिक प्रोग्राम 1986 लखनऊ**

   - ❒ राहुरी में सहज कृषि पर सराहनीय कार्य हुआ। राहुरी में सूरजमुखी बड़ी साईज 2 फुट व्यास की हुई जो कि आदमी उठाने में दिक्कत महसूस करता है।
   - ❒ राहुरी में श्री चौहान/ प्रो. सैंगरी ने कृषि क्षेत्र में अच्छा कार्य किया जिसमें बतलाया कि गेहूँ व सूरजमुखी में कृषि उत्पादन 10 गुना तक बढ़ा।

2. **कैसेट- परमात्मा के प्रेम का अनुभव विज्ञान के आगे का ज्ञान दिनांक 26.12.1975 मुम्बई।**

   - ❒ चैतन्यमय पानी को कुंए में डालकर फसल में काम लेने पर 100 गुना ज्यादा उत्पादन हुआ।
   - ❒ राहुरी (महाराष्ट्र) में कृषि वैज्ञानिकों ने बतलाया कि चैतन्यमय पानी उपयोग करने के बाद पैदा हुये अनाज को गोदाम में चुहों ने दांत तक नहीं लगाया, ना ही नुकसान पहुँचाया जबकि उसी गोदाम में बिना चैतन्यमय अनाज को चूहों ने नुकसान पहुँचाया।

3. **सी.डी.-महादेवी पूजा कलकत्ता 1996**

   - ❒ कलकत्ता में शाकम्भरी देवी की शक्ति जागृत हुई, इससे यहाँ आस-पास बहुत हरियाली दिखाई दे रही है। . . . . . प्रकृति ने बहुत सुन्दर फूल दिये है 40 प्रकार के फूल पाये जाते है, जो अपनी सुगन्ध आस-पास फैला रहे है।

4. **स्टेट कोर्डिनेटर सेमिनार गणपति फूले 8 जनवरी 2002**

- ❒ सहज कृषि (एग्रीकल्चर) प्रोजेक्ट राजस्थान में अच्छा कार्य कर रहा है।

5. **सी.डी. संक्रान्ति और सूर्यदेव का महत्त्व दिनांक 14.12.1996**

- ❒ सहजयोगी का परम कर्त्तव्य है कि पेड़ लगाये, बाग-बगीचे लगायें।
- ❒ सहजयोगी के हाथ में चैतन्य है अगर पानी देगा तो शस्य-श्यामला बढेगी।

6. **गुडी पडवा पूजा 5 अप्रैल 2000, नोएडा, भारत**

- ❒ मेरठ में शाकम्भरी देवी का प्रार्दुभाव हुआ उनमें यह शक्ति थी जो उपज बढाती है। उसका प्रभाव खेती-बाड़ी में दिखाई देता है इसमें बड़े-बड़े साईज के बैंगन व टमाटर मिले। ककड़ी भी बड़ी साईज की पैदा हुई।

7. **सी. डी., पुण्य पूजा वर्ष 1988** - देहातों में सहज योग फैलाये इसमें देहातों में रहने वालों की तकलीफ दु:ख मिट जायेगी, ज्यादा ध्यान देहातों में हो, बजाय शहरों के देहातों में क्रान्ति आयेगी।
8. सी. डी. वर्ष 23. 1. 75 में कृषि का महत्व बतलाया गया।
9. त्रिगुणात्मिका पूजा वर्ष 1985 कृषक को कॉमन सेन्स है, उनकी चमकदार आँखे है. . . .
10. गणेश पूजा वर्ष 1989-बीज का नुकीला भाग गणेश तत्व है अगर सहजयोगी के पैर उस जमीन पर पड़ जायेंगे तो जमीन भी चैतन्यमय

हो जायेगी। चैतन्य पानी का मतलब है इसमें गणेश की शक्ति जागृत हो गई है जब इसका प्रयोग कृषि में किया जायेगा तो उत्पादन में वृद्धि होगी। सहजयोग केन्द्र पर बड़े साईज के सुगन्धित फूल होंगे। गणेश तत्व की जागृति से बीज के उत्पादन के दो गुना कहीं-कहीं पर ज्यादा भी वृद्धि हुई।

11. दिवाली पूजा 1981-जल शक्तियाँ बतलाई गई।
12. सी.डी. वर्ष 5.3.1975 मुम्बई - फूलों पर चैतन्य जल उपयोग करके परीक्षण किये गये बड़े-बड़े साईज के गुलाब के फूल देखने को मिले।
13. सी. डी. वर्ष 21.9.1985 चैतन्यमय जल-चैतन्यमय पानी काफी समय तक खराब नहीं होगा, शिव की जटा से निकला (गंगा)

-: सहज कृषि तकनीक :-

चैतन्य लहरियों का प्रभाव मानव शरीर के उत्थान के साथ-साथ सभी जीवन्त चीजों पर क्रमशः पृथ्वी, पानी, वनस्पति, वातावरण पर कार्य करता है। जिसे हम सहज कृषि, बागवानी, पशुपालन, मधुमक्खी, पालन, मुर्गीपालन, मशरूम, मछली पालन, टिश्यूकल्चर खाद्यान्न, फल, सब्जी, मसाले, औषधीय, फूलों की खेती इत्यादि में अपनाकर अधिक गुणवत्ता उत्पादन लेकर अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर खुशहाल हो सकते हैं। किसान भाईयों को सहज कृषि की विधियाँ समझाई जा रही है जो बहुत आसान व सरल है।

1- कृषक सहजयोगी हो नियमित ध्यान धारण करता हो एवं सामूहिकता में कार्य करना आवश्यक है।

2- कृषक सहज कृषि के प्रभाव को जानने के लिए एक खेत में चैतन्यमय बीज व पानी का उपयोग करें तथा दूसरे खेत में कृषक द्वारा अपनाई जा रही विधि, खाद, दवा का उपयोग कर मूल्यांकन करें।

3- सर्वप्रथम श्री माताजी निर्मला देवी के फोटों के समक्ष बीज जो आप बोना चाहते हैं, **(अनाज, दलहन, तिलहन, फल, फूल, सब्जी के बीज, पौध, धान, कटिंग गुलाब, गन्ना के टुकड़े एवं अन्य जीवन्त सामग्री)** रखें, साथ ही एक पात्र (बाल्टी) में पानी प्रातः/सांय को रखें दूसरे दिन चैतन्यमय पानी को जहाँ आप बीज बो रहे थे, हाथ से छिड़के या फिर स्प्रेअर में भरकर भी छिड़क सकते हैं। पलेवा करते समय चैतन्यमय पानी को मटके में भरके उसमें छोटा-सा छेद कर पानी की नाली (धौरा) पर रखकर टपका-टपका कर पूरे खेत में पहुँचाये, बाद में चैतन्मय बीज की बुवाई करें, ध्यान रहे कि प्रत्येक सिंचाई में श्री माताजी का चैतन्यमय पानी का उपयोग करें।

4- खेत की नकरात्मकता समाप्त करने के लिए खेत के चारों तरफ पानी का नारीयल गणेश अर्थवाशीष बोलते हुए स्थापित करें या कपूर हवन करते हुए 24 मंत्र श्रीमाताजी के या सहजयोगी/योगिनी का सामूहिक ध्यान धारणा कर श्रीमाताजी से प्रार्थना करना या खेत में सामूहिक हवन। (तीन नारियल लाकर चैतन्यमय कर गाड दे नकरात्मकता समाप्त हो जावेगी। 1979-योग भूमि कैसट)

5- पानी एवं फसल को दोनों हाथ आगे हुए सामूहिक चैतन्य प्रवाहित करना, शाकम्भरी या ऋतुम्भरा मंत्र का जाप करते हुए फसल या जीवन्त चीजों पर चैतन्य देना।

6- परमपूज्य श्रीमाताजी से प्रार्थना करना कि यह खेत, फसल आपकी है आप ही कर्ता है आप ही भोक्ता है कृपया मेरी खेती को अच्छा कर दीजिए।

सहजयोग की चैतन्य लहरियों का प्रभाव एवं सहज कृषि की उपलब्धियाँ

(जैसा खाओगे अन्न वैसा रहेगा मन)

श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा प्रेणित सहज योग का प्रभाव न केवल मानव के उत्थान के लिए वरन् जीवात्मा या जीवन में भी इनके प्रभाव वैज्ञानिक अनुसंधानों द्वारा देखने को मिले हैं। मानव के अंदर रीढ़ की हड्डी के नीचे त्रिकोणाकार अस्थि में कुण्डलिनी की शक्ति साढ़े तीन कुण्डलों में सोई अवस्था में विराजमान है। श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा आत्म साक्षात्कार प्राप्त करके इस शक्ति को जागृत किया जा सकता है। श्री माताजी ने बतलाया कि ''वाइब्रेशन्स (चैतन्य लहरियां/ स्पंद) एक जीवन्त प्रक्रिया है। जो सोचती है और कार्य करती है।'' इन चैतन्य लहरियों का प्रभाव सभी जीवन्त चीजों पर क्रमशः पृथ्वी-पानी, वनस्पति, वातावरण के साथ-साथ मानव के उत्थान पर भी पड़ता है।

इसी संदर्भ में कृषि के क्षेत्र में सहजयोग की चैतन्य लहरियों का प्रभाव गेहूँ की फसल में पहली बार प्रयोग करके देखा गया जिसके उत्साहजनक परिणाम देखने को मिले हैं। यद्यपि पूर्व में कृषि के क्षेत्र में विश्व के कई अनुसंधान केन्द्रों पर प्रयोग किये जा चुके हैं। जिसके उत्साहजनक परिणाम की जानकारी आपको दी जा रही है।

-: ऑस्ट्रिया :-

वर्ष 1986 में वीना (आस्ट्रिया) के वैज्ञानिक डॉ. हमीद माईलेनी ने पशुओं में चैतन्य मय पानी का उपयोग करके उनके वजन में 15 प्रतिशत तक वृद्धि देखी गई है।

वर्ष 1986 में वैज्ञानिक डॉ हमीद माईलेनी वीना (आस्ट्रिया) ने सूरजमुखी एवं मक्का फसल में चैतन्य मयी पानी के उपयोग कर अच्छा अंकुरण के साथ 20-25 प्रतिशत ज्यादा पैदावार प्राप्त की।

श्री माताजी निर्मला देवी की असीम अनुकम्पा से साधारण पानी के आणविक संरचना आक्सीजन व हाईड्रोजन 104.50 डिग्री है लेकिन चैतन्यमयी लहरों/ स्पंदन से पानी के आणविक संरचना में परिवर्तन देखा गया तथा घुलनशील क्षमता में सुधार देखा गया। डॉ हमीद माईलेनी वीना (आस्ट्रिया) वर्ष 1986

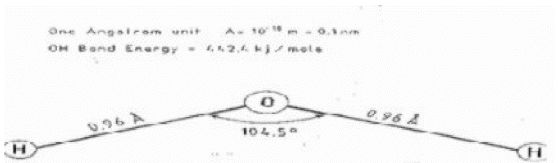

Water molecule showing the OH bond length H-O bond angle

BOND ANGLE WATER

Normal Water 104.50

Vibrated Water 108.450

अनुसंधान कार्यः सामान्य पानी को श्रीमाताजी के समक्ष रखकर चैतन्यमय करने से पानी की आणविक संरचना में परिवर्तन, घुलनशीलता में वृद्धि तथा हाईड्रोजन व आक्सीजन के बांड एंगल में परिर्वतन देखा गया। पानी पर हुए अनुसंधान कार्य इस प्रकार हैं।

परीक्षण1 : चैतन्य का पानी की गुणवत्ता, शुद्धिकरण पर प्रभाव

परीणाम : पानी की शुद्धता 10-70प्रतिशत तक बढी

गुण	साधारण पानी	चैतन्यमयी पानी
परमेंगनेट आक्सीडेवीलिटी मिली ग्राम/लीटर	6.3	5.9
टरबिडिटी मिली ग्राम/ लीटर	1.8	0.7
क्रोमोटिसिटी	60	47
लोहा (मिली/लीटर)	0.69	0.18
आमोनिया	0.9	0.6
पी एच	7.45	7.55
क्षारीयता	2.4	2.3

परीक्षण 2 : चैतन्य का पानी की गुणवत्ता पर प्रभाव (15 मि ली चैतन्यमय पानी को 1.5 लीटर सामान्य पानी में मिलाने से प्रभाव)

परिणाम : पानी की संरचना में ज्यादा परिवर्तन नहीं लेकिन पानी की क्वालिटी में सुधार, पीने योग्य

गुण	साधरण पानी	चैतन्यमयी पानी
परमेगनेट आक्सीडेवीलिटी मिली (ग्राम/लीटर)	3.6	3.4
लोहा (नगण्य/लीटर)	0.12	0.10
कठोरपन(मिली ग्रामा/ लीटर)	3.8	3.4
आमोनिया (मिली ग्राम /लीटर)	0.27	0.09 नाईट्राइडस
नाईट्रेट (मिली ग्राम/लीटर)	1.0	0.9
क्लोराइडस (मिली ग्रम/ लीटर)	49.0	46.9

परीक्षण 3 : चैतन्य का पानी की गुणवत्ता पर प्रभाव (5 मि. ली. चैतन्यमय पानी में आधा लीटर पानी बरबेरा नदी का प्रदूषित पानी को मिलाने के बाद प्रभाव)

परीणाम : नदी के पानी की क्वालिटी में सुधार, पीने योग्य

गुण	साधारण पानी	चैतन्यमयी पानी
परमैगनेंट आक्साइडेविलिटी	1.46	1.86
लोहा	0.08	0.12
कठोरपन	2.8	2.9
आमोनिया	0.015	0.018 नाईट्राइडस
नाईट्राइडस	-	-
नाईट्रेटस	8.5	10

-: राजस्थान :-

महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय उदयपुर वर्ष 2002 में मूँगफली की फसल में सहज कृषि **तकनीक अपनाने से 73 प्रतिशत उत्पादन में वृद्धि हुई।**

गेहूँ की फसल में वर्ष, 2002-2004 दो वर्ष लगातार फार्म हाउस न्यू सांगानेर रोड़, जयपुर में सहज कृषि से 25-30 प्रतिशत उत्पादन वृद्धि के साथ- साथ बीज का अकुंरण जल्दी व ज्यादा, जड़ो का अच्छा विकास, अच्छी बढ़वार एवं चमकदार दाने देखने को मिले। **उत्पादित गेहूँ का आटा श्रीमाताजी को कवैला (इटली विस्तृत परिणाम पेज 14-15 पर) को भेजा गया श्री जी. डी. पारीक मो. 9828451514**

- नवरात्रि पूजा दिनांक 6-13 अक्टूबर 2013 में सहज कृषि कार्य को सराहा गया एवं प्रशस्ति दिया गया। मीडिया द्वारा वीडियो तैयार कर मुख्य चैनल पर प्रसारित किया।
- राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र अजमेर में दिनांक 26-27 सितम्बर 2014 को 300 कृषकों को आत्मसाक्षात्कार देकर सहज कृषि तकनीक की जानकारी दी गई। दिनांक 16 फरवरी, 2015 को स्टाल लगाकर कृषकों को व्याख्यान (लेक्चर)दिया गया।
- गाँव डूगलौंद में 2 दिवसीय (17-18 मई 2014) सहजयोग सेमीनार आयोजित किया, जिसमें सहज कृषि पर विशेष सत्र रखा गया 95 सहजी कृषकों को लाभान्वित किया गया।

- दिवाली पूजा दिनांक 31 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2014 को सहज कृषि प्रदर्शनी में गेहूँ, चना, जौ, सरसों की चैतन्यमय एवं बिना चैतन्यमय बीज की बुवाई दो प्लाट में करके व्यावहारिक सहज कृषि तकनीक का प्रदर्शन किया गया जिसे 35 राज्यों एवं 10 देशों से आये 3000 सहजी भाई-बहनों द्वारा देखा गया।
- नेशनल ट्रस्ट नई दिल्ली द्वारा जनवरी 2015 को प्रसारित पत्र में राष्ट्रीय सहज कृषि वर्कशाप दिनांक 21.03.2015 को छिन्दवाडा(मध्य प्रदेश) श्री दिनेश राय वाईस चेयरमैन नेशनल ट्रस्ट द्वारा ली गई जिसमें 16 राज्यों के 192 कोर्डीनेटर / सहजीयों के साथ-साथ चार नेशनल ट्रस्ट्रीयों ने भाग लिया जिसमें प्राप्त फीडबेक के अनुसार निम्न निर्णय लिये गये

(1) सभी राष्ट्रीय / अन्तराष्ट्रीय पूजाओं/ सेमीनार विशिष्ठ कार्यक्रमों में सहजीयों को सहज कृषि का 1-2 घंटे का सत्र रखा जावे

(2) सहज कृषि पर प्रशिक्षण/वर्कशाप जोन वाईज आयोजित किये जाये

(3) सहज कृषि कार्यक्रम को प्रोत्साहन देने हेतु बजट प्रावधान रखा जावे ताकि प्रभावी कियान्वन हो सके।

(4) सहज कृषि के लिए प्रत्येक जोन या राज्य में 1-1 गाँव गोद लिया जाये

(5) कृषि सचिव भारत सरकार के समक्ष प्रस्तुतिकरण हेतु डाफ्ट्र नोट तैयार किया जावे

(6) नेशनल ट्रस्ट द्वारा निर्धारित मीटिंग में राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट की समीक्षा अवश्य की जावे।

श्री दिनेश राय वाईस चेयरमैन नेशनल सहज योग ट्रस्ट के अथक प्रयासों एवं समन्वय से सहज कृषि पर हुये उल्लेखनीय कार्यों की प्रस्तुतीकरण हेतु मीटिंग दिनांक 22.5.15 को कृषि मंत्रालय नई दिल्ली में श्री अविनाश के. श्रीवास्तव अतिरिक्त सचिव, कृषि मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई. सी. ए. आर) के 55 कृषि वैज्ञानिक शस्य विज्ञान, उद्यानिकी, पशुपालन, सब्जी इत्यादि ने भाग लिया इसमें डा. एम. वी. कुलकर्णी जी नेशनल ट्रस्ट्री महाराष्ट्र द्वारा राज्य में हुये सहज कृषि कार्यों पर प्रस्तुतिकरण दिया ततपश्चात् श्री जी. डी. पारीक पूर्व. संयुक्त निदेशक कृषि एवं सचिव, राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट ने भारत में विभिन्न राज्यों में हुये सहज कृषि अनुसंधान एवं कृषकों के खेतों पर हुए परीक्षणों का प्रस्तुतीकरण दिया। अन्त में श्री एम. नाग राजू हैदराबाद ने सहज कृषि पर आंध्रप्रदेश में हुये परीक्षणों के परिणाम प्रस्तुत किये।

मीटिंग सामाप्ति के पश्चात् कुछ कृषि वैज्ञानिकों ने आत्म साक्षात्कार प्राप्त किया।

डॉ. उत्थीवप्पन महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, तेलगांना राज्यों में परीक्षण करने की स्वीकृति प्रदान की (पत्र क्रमांक एफ 13 (40)/ 2015 11 जून 2015)

(1) सेन्ट्रल एरिड जोन रिसर्च स्टेशन, जोधपुर (राज.)

(2) राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र, तवीजी फार्म, अजमेर (राज.)

(3) सेन्ट्रल एरिड हॉल्टीकल्चर अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर (राज.)

(4) सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर (राज.)

(5) चावल अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद, तेलगाना

(6) ज्वार अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद, तेलगाना

(7) तिलहन अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद, तेलगाना

(8) राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केन्द्र, शोलापुर, महाराष्ट्र

(9) राष्ट्रीय अगूंर अनुसंधान केन्द्र, मन्जरी, पूणे, महाराष्ट्र

(10) राष्ट्रीय प्याज एवं लहसून अनुसंधान केन्द्र, राजगुरूनगर, पूणे, महाराष्ट्र

इन सभी अनुसंधान केन्द्रों पर सहज कृषि परीक्षण शुरू किये जा चुके हैं। इसके लिए श्री जी. डी. पारीक का राजस्थान राज्य, डॉ. एम. वी. कुलकर्णी को महाराष्ट्र तथा एम. नागराज को तेलगाना राज्य में सहज कृषि ट्रायल कार्य देखेगें।

INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
KRISHI BHAWAN, NEW DELHI-110001

F.No. 3(10)/2015 Cdn (Tech.)   Dated 11 June, 2015

Sub: Research Trials on 10 ICAR Research Centres by H.H.Shri Mataji Nirmala Devi Sahaja Yoga Trust with Sahaj Agriculture Technique – reg.

Kindly find enclosed letter No. NIL dated 25.5.2015(copy enclosed) received from Sh. Dinesh Rai, Vice Chairman, H.H.Shri Mataji Nirmala Devi Sahaja Yoga Trust, New Delhi on the subject mentioned above. In this regard it is mentioned that a suitable modus operandi and protocol for working arrangements is to be worked out mutually by the concerned Director of ICAR Research Station/Center and the Sahaj yogi volunteers monitoring this project i.e. Dr. M.B.Kulkarni, Maharashtra, Sh. G.D.Pareek, Rajasthan, Sh. M.Nagaraju, Telangana & AP and there will be no extra expenditure in validation of Sahaj Krishi technique. It is therefore requested to take necessary action accordingly. This has the approval of Secretary(D) & DG, ICAR.

सहज कृषि को भारत सरकार
द्वारा मान्य कर स्वीकृति दी गई।

Encl: as above

(S.P.Kimothi)
Asstt.Director General(Coord.)

Distribution:

1. Director, National Research Centre for Pomegranate, Solapur, Maharashtra
2. Director, National Research Centre for Grapes, Manjri, Pune, Maharashtra
3. Director, National Research Centre for Onion & Garlic Rajgurunagar, Pune,Maharshtra
4. Director, Central Arid Zone Research Institute, Jodhpur, Rajasthan
5. Director, Central Institute of Arid Horticulture, Bikaner, Rajasthan
6. Director, Directorate of Oilseeds Research Bharatpur, Rajasthan
7. Director, National Institute of Spices Research Ajmer, Rajasthan
8. Director, Directorate of Oilseeds Research Hyderabad, Telangana
9. Director, Directorate of Rice Research Hyderabad, Telangana
10. Director, Directorate of Sorghum Research Hyderabad, Telangana

Copy to Sh. Dinesh Rai, Vice Chairman, H.H.Shri Mataji Nirmala Devi Sahaja Yoga Trust, w.r.t. letter No. NIL dated 25.5.2015

आभार श्रीमाताजी

(S.P.Kimothi)
Asstt.Director General(Coord.)

अनुसंधान कार्य

परीक्षण1 : दैवीय चैतन्य का गेहूँ की बढ़वार / उत्पादन पर प्रभाव वर्ष 2002-03 जयपुर

परिणाम : चैतन्यमय क्षेत्र में गेहूँ का उत्पादन 25 से 30 प्रतिशत बढा।

क्र. सं.	प्लाट विवरण	अंकुरण वर्ग मी.	प्रभावी किल्ले / पौधे	दानों की संख्या / बाली	1000 दानों का वजन ग्राम	उत्पादन क्विं./है.
1	चैतन्यमयी उन्नत बीज, पानी बिना उर्वरक के	100-115	3-4	48-54	38-20	32-10
2	चैतन्यमयी बीज, पानी उर्वरक के साथ	75-80	2-3	45-50	32.15	30.25
3	बिना चैतन्य बीज, पानी बिना उर्वरक	49-55	2-3	40-44	29.80	24.75
4	चैतन्यमयी लोकल बीज, पानी मय उर्वरक	65-77	2	38-42	29.10	24.00

परीक्षण 2 : दैवीय चैतन्य का गेहूँ की बढ़वार/उत्पादन पर प्रभाव वर्ष 2003-04 जयपुर

परिणाम : कन्ट्रोल प्लाट के वनस्पत चैतन्य प्लाट में गेहूँ का उत्पादन 20 से 25 प्रतिशत बढ़ा

क्र.सं.	प्लाट विवरण	अंकुरण वर्ग मीटर	जड़ों का विकास	प्रभावी किल्ले प्रति पौधे	दानों की संख्या/बाली	1000 दानों का वजन (ग्राम)	उत्पादन क्विंटल/हैक्टेयर
1.	चैतन्यमय उन्नत बीज, पानी बिना उर्वरक	96-103 (10 सेम्पल)	अधिक	3-4	45-56	37.39	36.80
2.	अचैतन्यमयी बीज, पानी मय उर्वरक के	75-77 (10 सेम्पल)	कम	2-3	39-44	30.32	29.80

- कृषक श्री अनिल यादव गांव बगराना (कोटपुतली) के यहाँ नीबू के पौधों पर फसल में सहज कृषि से दुगना उत्पादन चमकदार एवं दाग रहित नीबू प्राप्त किये गये।
- राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र अजमेर(4-7 फरवरी 2014) को डॉ. लोकेश शेखावत बाईस चांसलर, कृषि यूनिवर्सिटी, अजमेर द्वारा सहज कृषि प्रदर्शनी को उत्कर्ष अवार्ड से सम्मानित किया।
- अजमेर, उदयपुर जिलों में 500 से अधिक गाँवों का चयन कर सहजयोग-सहज कृषि की जानकारी 125 गाँवों में 35,000 से ज्यादा कृषक लाभान्वित।

- गत 2 वर्षों में 3 राष्ट्रीय कृषि सेमिनार जयपुर में आयोजित कर 473 सहजीयों को प्रशिक्षित किया तथा तकनीकी साहित्य बुकलेट 50,000, पेम्पलेट्स 2.5 लाख, स्टीकर्स 15,000, चैतन्यमय उन्नत बीज 4.5-5.0 क्वि. नि:शुल्क वितरण किया। गत दो वर्षों में विभिन्न राष्ट्रीय सेमिनार एवं पूजाओं में सहज कृषि प्रदर्शनी का आयोजन कर 60,000 में अधिक सहजी भाई-बहनों सहज कृषि की जानकारी दी गई।
- गाँव कनौड़ (उदयपुर) में श्री मांगीलाल गायरी ने मक्का, बाजरा व अन्य खरीफ फसलों में नीलगाय (रोजड़े) खेत में घुसकर बहुत नुकसान किया।
- ग्रामीण जनजागरण सहज कृषि कार्यक्रम के अर्न्तगत 20-23 जुलाई एव 3-6 अगस्त-15 में 8 जिलों भरतपुर एवं कोटा डिवीजन ने जानकारी दी गई। कोटा में सहज कृषि सेमीनार का आयोजन किया गया।

  नुकसान करते थे लेकिन सहज कृषि तकनीक अपनाने से कोई नुकसान नहीं हुआ, ना ही नील गाय खेत के अन्दर गई।
- राष्ट्रीय कृषि सेमिनार के निर्णयानुसार एवं नेशनल सहजयोज ट्रस्ट, नई दिल्ली के अनुमोदन पश्चात् 2012-13 में राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन प्रथम चरण में 10 राज्यों क्रमश: राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, केरल, हिमाचल प्रदेश इत्यादि में किया गया। प्रत्येक राज्य में 3 जिले चयनकर 10,000 कृषकों को प्रशिक्षित किया गया। इस प्रकार करीबन एक लाख से ज्यादा कृषकों को सहजयोग-

सहज कृषि की जानकारी दी गई। द्वितीय चरण में वर्ष 2014-15 में 10 राज्यों क्रमशः झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिमी बंगाल, कर्नाटक, बिहार, जम्मूकश्मीर, आसाम, तमिलनाडु, अरूणाचल प्रदेश, त्रिपुरा का चयन करके सहजयोग-सहजकृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में किये जावेंगे।

- 17 जनवरी, 2016 को पब्लिक प्रोगाम में 2500 नये साधकों को साक्षात्कार एवं कृषि सम्बन्धी जानकारी दी गई।
- राष्ट्रीय सहज प्रसार कार्यक्रम दिनांक 13-14 फरवरी, 2016 सवाईमाधोपुर में नेशनल ट्रस्टी एवं स्टेट कोर्डीनेटर को सहज को सहज कृषि प्रस्तुतीकरण किया गया। तथा 150 लाभान्वित हुऐ।
- अन्तर्राष्ट्रीय जन्म पूजा छिन्दवाड़ा में दिनांक 20 मार्च 2014 को सहज कृषि की वेबसाइट का उद्घाटन श्री दिनेश राय आई.ए.एस. एवं वाईस प्रेसीडेन्ट, नेशनल ट्रस्ट नई दिल्ली, श्रीचन्द चौधरी, नेशनल ट्रस्टी एवं अध्यक्ष, सहज योग प्रसार-प्रचार कमेटी, डॉ. एम. वी. कुलकर्णी नेशनल ट्रस्टी एवं श्री जी.डी. पारीक सैक्रेटरी, राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट द्वारा किया गया। वेबसाइट का नाम www.sahajkrishi.com है।
- ग्रामीण सहज कृषि जन-जागरण के अन्तर्गत राजस्थान के कई ग्रामीण में कार्यक्रम आयोजित कर सहज कृषि से होने वाले फायदों की जानकारी दी।
- विभिन्न राज्यों के 1358 कृषकों से प्राप्त फीडबेक के अनुसार

सहज कृषि तकनीक अपनाने से अनाज, दलहनी, तिलहनी, धान, गन्ना, सूरजमुखी, लहसुन इत्यादि के उत्पादन में 1.0 से 1.5 गुना ज्यादा उत्पादन तथा क्वालिटी में सुधार देखा गया। सोयाबीन, फूलगोभी में अंकुरण की समस्या थी लेकिन चैतन्यमय करके बोने से 20 प्रतिशत तक अंकुरण ज्यादा एवं जल्दी अंकुरण हुआ।

- राष्ट्रीय सहज प्रचार प्रसार कार्यक्रम दिनांक 13-14 फरवरी, 2016 सवाई माधोपुर में नेशनल ट्रस्टी एवं स्टेट कॉडीनेटर द्वारा सहज कृषि प्रस्तुतीकरण किया गया। 150 लोग लाभान्वित हुए।

महाराष्ट्र

- सहज कृषि क्षेत्र में महाराष्ट्र राज्य अग्रणी है तथा उल्लेखनीय कार्य हो रहा है। श्री मनोहर जोशी मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री मंत्रालय के द्वारा डॉ. सेनगरी द्वारा किये गये सराहनीय कार्य हेतु नोबेल पुरस्कार शान्ति कमेटी के सदस्यों को अर्द्धशासकीय पत्र दिनांक 18-10-1985 को लिखा गया।
- कृषि विश्व विद्यालय राहुरी (महाराष्ट्र) के प्रो. डा. सैनकगरी ने गेहूँ /सूरजमुखी की फसलों से सहज कृषि से 2 गुणा ज्यादा पैदावार प्राप्त की। सहजयोग की चैतन्य लहरियों से स्वस्थ्य पशु एवं दुग्ध उत्पादन में ज्यादा वृद्धि देखी गई उस उत्कर्ष कार्य के लिए उन्हें नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- शिवपूजा चन्द्रपुर दिनांक 13-15 फरवरी-15 में सहज कृषि प्रर्दशनी का आयोजन कर 4000 सहजीयों को लाभान्वित किया गया।

- राहुरी कृषि विश्वविद्यालय महाराष्ट्र में कृषि पर शोध कार्य किया गया जिसके उत्साहजनक परिणाम इस प्रकार है।
- पौधों की बढ़वार : 0-42.9 प्रतिशत तक वृद्धि
- अंकुरण में वृद्धि : 0-20 प्रतिशत
- उत्पादन में वृद्धि : 14.3 - 50 प्रतिशत अधिक पैदावार तक
- पक्षियों के शरीर वजन में वृद्धि, अंड़ों देने की क्षमता में वृद्धि
- कृषक श्री वि. ज. तांवर खानगांव (नासिक) मो. 09922483612 सहज कृषि करने से मुझे हिरण एवं बन्दर ने फसल को कोई नुकसान न होने से फसल अच्छी हुई।
- सहजी कृषक श्री. पी.आर. टी. बहाडे मो.: 09552273001, श्री कल्याण, श्री किरण, एस. शिन्दे, श्री गनानन चिनचुटकर द्वारा राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट के अन्तर्गत कृषि परीक्षण किये गये। परिणाम इस प्रकार है-

फसल	उत्पादन (क्वि. प्रति एकड़)	
	चैतन्यमय प्लाट	अचैतन्यमय प्लाट
प्याज	4.0	2.0
कपास	14.0	10.0
चना	10.0	7.0
सोयाबीन	12 (जड़ों का फैलाव एवं	6.5 (कमजोर जड़ों का फैलाव एवं
	गांठों का गठन ज्यादा)	गांठों का गठन कमजोर)

- प्रतिष्ठान पूणे गणेश पूजा दिनांक 27-29 अगस्त 2014 में सहज कृषि प्रर्दशनी का आयोजन कर 3000 से अधिक सहजीयों को जानकारी दी

गई। प्रतिष्ठान के समक्ष चना, ज्वार, मूंगफली, सरसों का बीज श्रीमाताजी के समक्ष चैतन्यमय किया गया जिसका अच्छा अंकुरण 2 दिन में हुआ जबकि अचैतन्यमय बीज का अंकुरण बिलम्ब से हुआ व्यावहारिक प्रर्दशन किया गया।

-: उत्तराखंड :-

- सहजयोग चैतन्य लहरियों का प्रभाव शुद्ध दुग्ध उत्पादन में देखा गया। श्रीमती किरण सिंह (सहजी) ग्राम भोगपुर जिला हरिद्वार में स्थित महिला भोगपुर दुग्ध उत्पादन केन्द्र में उत्तम क्वालिटी एवं रिकॉर्ड दुग्ध उत्पादन प्राप्त किया।
- भैंस को चैतन्यमयी चारा एवं पानी देने से पशु स्वस्थ्य होने के साथ दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हुई पहले 5 किलो दूध देती थी धीरे-धीरे बढ़कर 12 किलो तक हो गया।
- उत्तराखंड में पोपलर पेड़ों का वृक्षारोपण किया जाता है। 700 पोपलर पेड़ों में चैमन्मयी पानी का प्रयोग के 4 वर्ष में 2.5 फुट मोटाई का तना मिला जबकि अन्य खेतों में बिना चैतन्यमय पानी के यह मोटाई 5 वर्ष में देखने को मिली।
- गेहूँ की फसल में चैतन्य पानी एवं बीज का प्रयोग कर 2 गुना ज्यादा पैदावार मिली। गन्ना एवं धान में भी ज्यादा उत्पादन हुआ। (श्री जगपाल सिंह हरिद्वार 0133424123, मो. 805780937)

परीक्षण: दैवीय चैतन्य का धान की बढ़वार/उत्पादन पर प्रभाव।

क्र. सं.	उपचार	पौधों की ऊँचाई (सेमी.)	प्रभावी किल्लों की संख्या (वर्ग मीटर)	शुष्क पदार्थ (भूसा) कु./है.	बाली की लम्बाई (सेमी.)	बाली का वजन (ग्राम)	उत्पादन (कु./है.)
1.	चैतन्यित बीज और चैतन्यित पानी, उर्वरक के साथ	114.0	161	75.0	29.8	5.23	47.34
2.	बिना चैतन्यित बीज और चैतन्यित पानी, उर्वरक के साथ	109.0	138	56.2	29.3	5.07	36.67
3.	चैतन्यित बीज और पानी, बिना उर्वरक के साथ	96.7	129	41.3	27.1	4.23	20.67
4.	बिना चैतन्यित बीज और पानी, बिना उर्वरक का साथ	93.7	125	38.3	25.3	3.07	18.33

- राष्ट्रीय सेमीनार एवं आदि गुरू पूजा गोव औली देहरादून 9-12 जून, 2016 में 3,000 सहजीयों को सहज कृषि की जानकारी तथा प्रर्दशनी का आयोजन किया गया।

- पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के सहजी डॉ एच. आर. जैसवाल सब्जी वैज्ञानिक द्वारा गांव हरसान, कपकोट में चैतन्यमय लौकी बीज वितरण कर सहजी कृषक श्री प्रेम सिंह बसेड़ा के 3 फुट लम्बी (5 वैल में 100 से अधिक लौकी जिसमें 15 लौकी 2.5-3 फुट की आई। पूर्व में लौकी अधिकतम 2 फुट लम्बी थी। इसी प्रकार टमाटर, भिण्डी व गुलाब, गुलदाऊदी में चैतन्य लहरियों का प्रभाव देखा गया

तथा उत्पादन में आशातीत वृद्धि हुई।

- आदि शक्ति पूजा रायवाला दिनांक 04-08 जून 2014 को सहज कृषि प्रदर्शनी का आयोजन कर 3000 से अधिक भाई बहनों को जानकारी दी गई। साथ ही प्रत्येक राज्य को प्रसार-प्रचार सामग्री एवं सहज कृषि साहित्य, बुकलेट निःशुल्क उपलब्ध कराया गया।

-: उत्तर प्रदेश :-

- सहजी डॉ. विनोद कुमार एसोसिएट प्रोफेसर फसल अनुसंधान केन्द्र-घाघरा घाट जि. बहराइच नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय फैजाबाद (यू.पी.) मो.: 09415764397 द्वारा धान एवं पपीता में अनुसंधान कार्य किया। धान की फसल में चैतन्मय बीज-पानी का उपयोग करने से 29 प्रतिशत अधिक पैदावार हुई तथा पपीता बड़े साईज (1.5 गुना) के प्राप्त हुये। धान में किये गये शोध कार्य के परिणाम इस प्रकार है-
- राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट के अन्तर्गत कृषकों द्वारा परीक्षण किये गये परिणाम इस प्रकार है-

	चैतन्यमय प्लाट	अचैतन्यमय प्लाट (प्रति एकड़ उत्पादन)
1. आलू	92.5	70.0 क्वि.
2. धान	48	35 क्वि.
3. गेहूँ	25 क्वि.	18 क्वि.

4. चना	700 ग्राम हरे चने प्रति पौधा	200 ग्राम हरे चने प्रति पौधा
	(बंदरों ने नुकसान नहीं किया)	(बंदरों ने नुकसान किया)

- बिजनौर जिले में सघन ग्रामीण सहज योग-सहज कृषि अभियान दिनांक 29 सितम्बर से 6 अक्टूबर 2013 को 20 गांवों में किया गया। जिसमें 10,000 से ज्यादा कृषकों को सहजयोग-सहज कृषि की जानकारी दी गई। आत्मसाक्षात्कार भी दिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में सहज योग केन्द्र स्थापित किये गये।

- वर्ष 2013-14 में गेहूँ फसल 75 प्रतिशत सिफारिश उर्वरक मात्रा, चैतन्य मय बीज व जल का उपयोग कर पैदावार उतनी प्राप्त की गई जितनी 100 प्रतिशत सिफारिश उर्वरक मात्रा देने से। मतलब 25 प्रतिशत उर्वरक की बचत सहज कृषि तकनीक अपनाने से चैतन्यमय बीज व पानी के उपयोग से हुई।

- ग्रामीण क्षेत्रों में सहज योग एवं सहज कृषि का विशेष प्रसार-प्रचार अभियान दिनांक 11-12 अक्टूबर 2014 किया गया जिसमें बिजनौर जिले के आस-पास 35 गाँवों में पेम्पलेटस वितरण किये गये तथा 12 अक्टूबर को विशाल पब्लिक प्रोग्राम का आयोजन कर 500 से ज्यादा भाई-बहनों को आत्म-साक्षात्कार दिया एवं सहज कृषि प्रदर्शनी में सहज तकनीक के

बारे में बतलाया गया।

- सहज कृषि पर वर्कशाप दिनांक 17 अप्रैल, 2016 को आयोजित कर 800 नये कृषकों का आत्म साक्षात्कार एवं कृषि की जानकारी दी गई।

-: मध्यप्रदेश :-

- सघन सहज योज-सहज कृषि अभियान जिला खरगौन में 104 गांव, भागफल (बड़वा) 25 गांव, मनसौर नीमच, जाबरा में 58 गांव कुल 187 गांवों में कार्यक्रम आयोजित कर 45,000 से अधिक ग्रामवासियों का लाभान्वित किया गया।

- छिन्दवाड़ा से 200 किमी. दूर सहजी कृषक श्री विजय पटेल मो. 09425360783 ने चैतन्यमय गन्ना की फसल की। अन्तर्राष्ट्रीय जन्म दिवस पूजा 21 मार्च 2014 को गन्नों के 10-10 बण्डल लेकर आये। जिनकी लम्बाई करीबन 14-15 फुट थी जबकि कंट्रोल खेत में 10-11 फुट आई।

- गन्ने, मक्का की फसल में सुअर नुकसान पहुँचाते थे, जब वहाँ चैतन्य अनाज व पानी का उपयोग किया तो सुअर ने नुकसान नहीं पहुँचाया, ना ही खेत में गये। श्री शान्तिलाल भागफल बड़वा खरगौन जिला म.प्र. मो. 09926834422

- प्राचार्य मानस स्कूल धार(म.प्र.) के विद्यार्थियों ने सहज कृषि पर 200 पेज की सीडी तैयार की है। एवं सहज योग केन्द्र धार द्वारा

सहज कृषि तकनीक प्रचार-प्रसार हेतु लघु नाटिका तैयार की गई।

- विशेष कृषि अभियान दिनांक 10-13 जुलाई 2014 रतलाम मध्य प्रदेश जिसमें 8 गाँव क्रमशः नौगांवकला, नेगदारा, धमनौद, सामलिया, खेड़ावाडा, कमिड, भटपचलाना इत्यादि में 1500 से ज्यादा कृषकों को आत्मसाक्षात्कार एवं सहज कृषि की जानकारी देकर लाभान्वित किया गया। सोयाबीन, मक्का का चैतन्यमय बीज निशुल्क वितरण किया गया।

- सहज नर्मदा बसन्तोत्सव बडवा (निमाड मध्य प्रदेश) में 30, 31 जनवरी व 1 फरवरी 2015 को आयोजित कार्यक्रम में 1500 से ज्यादा आस-पास के गाँवों के सहजी भाई-बहनों ने भाग लिया एवं सहज कृषि पर व्याख्यान एवं प्रदर्शनी आयोजित कर 1300 से अधिक कृषकों को लाभान्वित किया गया। मध्य प्रदेश सामुहिकता द्वारा सहज कृषि कार्यक्रम में गतिशीलता लाने का रूझान प्रदर्शित किया।

- सिंहस्थ कुंभ मेला दिनांक 22 अप्रैल, 2016 से 22 मई, 2016 में 2 लाख नये साधकों को आत्मसाक्षात्कार दिया गया। सहज कृषि प्रर्दशनी एवं सहज कृषि द्वारा 10,000 कृषकों को लाभान्वित किया गया।

- कृषि विज्ञान केन्द्र उज्जैन में 2-4 मार्च को आयोजित मेले में कृषकों को आत्मसाक्षात्कार एवं सहज कृषि प्रदर्शनी आयोजित कर सहज कृषि तकनीक का व्यावहारिक ज्ञान कृषकों को देकर लाभान्वित किया गया। जिला क्लक्टर ने प्रर्दशनी का उदघाटन करते हुए सहय योग के चैतन्य महसूस कर आशचर्य प्रकट किया। उल्लेखनीय है कि सहज

कृषि का प्रसार प्रचार कार्य छिन्दवाडा जिले में दिनांक 16 मार्च, 2015 से 20 मार्च, 2015 तक किया गया जिसमें 5 गाँवों में सहज योग/ सहज कृषि की जानकारी 500 से अधिक कृषकों की दी गई तथा सहज कृषि प्रर्दशनी का आयोजन कर 2500 सहजीयों को लाभान्वित किया गया।

- रीजनल सेमीनार एवं गुरू पूजा रतलाम दिनांक 15-17 जुलाई को सहज कृषि एवं प्रर्दशनी का आयोजन करके 1850 सहजीयों को लाभान्वित किया कया।

-: उड़ीसा :-

- सहजी डॉ. वी. के. मोहन्ती प्रोफेसर उड़ीसा कृषि विश्वविद्यालय भुवनेश्वर के अथक प्रयासों से 1700 आदिवासी कृषकों को आत्मसाक्षात्कार देकर सहज कृषि अपनाने का उत्साहजनक कार्य किया तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सहजयोग के केन्द्र स्थापित किये गये। राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट में अन्तर्गत कृषकों को खेतों में कृषि परीक्षण धान, गेहूँ, फसलों में आयोजित किये गये। उत्साहजनक परिणाम प्राप्त हुए। वर्ष 2012-13 में सहज कृषि पर कृषकों के खेतों पर परीक्षण किये गये परिणाम इस प्रकार है-

  (1) धान- 18-20 कि. / एकड़ चैतन्य में (7-8 कि. /अचैतन्यमय)

  (2) बैगन 80-100 कि. / एकड़ चैतन्य (30-50 कि./ चतैन्य) शुद्ध सकल आय रू. 40,000 प्रति एकड़

-: झारखण्ड :-

- स्टेट कार्डीनेटर झारखंड के अथक प्रयासों से 15 दिवसीय (22 फरवरी से 6 मार्च 2014) ग्रामीण सहज योग एवं सहज कृषि का अभियान शुरु किया गया जिसमें 15 गांवों में 3000 से अधिक कृषकों को आत्म-साक्षात्कार देकर सहज कृषि अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। शिव पूजा के दौरान सहज कृषि प्रदर्शनी का आयोजन कर 2000 सहजियों को सहज कृषि की जानकारी दी गई।

- बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के वाईस चांसलर से समन्वय कर सहज कृषि पर अनुसंधान कार्य करने हेतु स्वीकृति दी तथा मई-जून माह में सहज कृषि पर वर्कशॉप आयोजन की सिफारिश की है। डॉ. नितिन चौधरी कृषि सचिव (आई.ई.एस.) से समन्वय कर कृषि विभाग के माध्यम से सहज कृषि के प्रसार-प्रचार हेतु निवेदन किया। पूर्व में सभी स्टॉफ-कार्यकर्त्ताओं की वर्कशॉप आयोजन हेतु बतलाया अग्रणी एन.जी.ओ. (कृषि ज्ञान विकास केन्द्र) से वार्ता की गई। सहज योग एवं सहज कृषि के कार्य करने में अपना रुझान प्रदर्शित किया है।

-: आंध्रप्रदेश :-

- राज्य में कृषि वर्कशॉप कर आयोजन कर 62 सहजी कृषकों को प्रशिक्षित किया गया। सहज कृषि पर तेलुगू भाषा में प्रस्तुतीकरण तैयार कर गांव-गांव में जानकारी दी जा रही है। राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट के तहत कृषि परीक्षणों का आयोजन किया जा रहा है। सहज कृषि पर अनुसंधान कार्य करने हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान

संस्थान नई दिल्ली से समन्वय कर दो प्रोजेक्ट लिये गये हैं। जिन पर शोध कार्य शीघ्र किये जायेंगे।

आंध्रप्रदेश स्टेट कोर्डीनेटर के अथक प्रयास द्वारा 6-8 दिसम्बर 2014 को लाम फार्म गुन्टर (अपटेक मार्डन कृषि 2014) में सहज कृषि तकनीक का प्रर्दशन कर 2000 से अधिक कृषकों को आत्मसाक्षात्कार दिया गया। कृषकों के खेतों पर धान की फसल में सहज कृषि तकनीक अपनाने से 30% कृषि उत्पादन वृद्धि एवं भैस को चैतन्यमय चारा, पानी के प्रयोग करने से शुद्ध आय में रू. 170 से 2400 प्रत्येक 10 दिन में वृद्धि हुई।

-: हिमाचल प्रदेश :-

- सहजी डॉ. वीरेन्द्र सिंह प्रोफेसर हिमाचलप्रदेश कृषि यूनिवसिटी सहज कृषि में कार्य हेतु प्रयासरत है।

-: पश्चिम बंगाल :-

- रीजनल सेमीनार एवं गणेश पूजा गंगासागर (प. बं.) में 2-4 सितम्बर को सहज कृषि प्रर्दशनी का आयोजन किया गया तथा सहज कृषि पर 1850 सहजीयों के समक्ष प्रस्तुतीकरण दिया गया।

-: नोर्थ ईस्ट :-

- नोर्थ ईस्ट के ग्रामीण क्षेत्रों शिलांग, सिलचर, बदरी बस्ती, भादरपुरा क्षेत्रों में 400 से ज्यादा कृषकों को सहजयोग एवं सहज कृषि की जानकारी दी गई। गाँव बदरी बस्ती में सहजी कृषक श्री मन्तूर

भारद्वाज ने 35280 वर्ग फीट क्षेत्र सहज योग एवं सहज कृषि अनुसंधान कार्यों के लिये जमीन दान में दी। नोर्थ ईस्ट के अन्तर्गत 7 राज्यों में अरूणाचल प्रदेश, आसाम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड एवं त्रिपुरा में वृहद् सहज कृषि अभियान शुरू करने हेतु नेशनल ट्रस्टी ने आश्वासन दिया हैं।

-: हरियाणा :-

स्टेट कोर्डीनेटर हरियाणा द्वारा सघन सहजयोग एवं सहज कृषि कार्यक्रम प्रत्यके जिले में शुरूवात की है प्रथम कड़ी में रोहतक में दिनांक 18-25 जनवरी-15 तक विशाल कार्यक्रम शुरू किये गये जिसमें 40 स्कूलों थे 10,000 विद्यार्थी एवं सहज कृषि में 15 गांवों में 1500 कृषकों को आत्म साक्षात्कार देकर तथा सहज कृषि तकनीक से लाभान्वित किया करनाल में सहज कृषि का आयोजन कर 550 कृषकों को लाभान्वित किया। सहज कृषि पर वर्कशाप गाँव इन्द्री (करनाल) में दिनांक 21 मई, 2016 को आयोजित कर 300 कृषकों को लाभान्वित किया गया। 22 मई, 2016 को चण्डीगढ़ में सहज कृषि वर्कशाप का आयोजन कर 350 कृषकों को लाभन्वित किया गया।

-: केरल / तमिलनाडु :-

10 दिवसीय सघन ग्रामीण सहज योग / सहज कृषि कार्यक्रम 26 सितम्बर से 5 अक्टूबर 2014 को पाल खाड (केरल) क्षेत्र के आस पास 8 गांवों में भ्रमण कर 900 कृषकों को आत्म साक्षात्कार

दिया गया एवं सहज कृषि तकनीक की जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि केरल राज्य कृषि की दृष्टि से बहुत अग्रणी है यहाँ पर ट्रापिका, धान, रबर, कोका, नारियल, काजू, चाय, लहसुन, सुपारी, इलाइची, पान, शकरकन्द, कॉफी, अदरक, हल्दी, अन्नास, तम्बाकु, मिर्च, खाद्यान्न दलहनी फसलों की खेती की जाती है। गणेश पूजा में सहज कृषि प्रर्दशनी का आयोजन कर 1200 से अधिक सहजी भाई बहनों को सहज कृषि की जानकारी दी गई। केरला कृषि विश्वविद्यालय का भ्रमण कर कृषि वैज्ञानिकों को सहज योग व सहज कृषि पर हुये अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी गई।

- अन्य राज्यों में सहज कृषि परीक्षण एवं गांवों में प्रचार-प्रसार का कार्य प्रगति पर है।
- विश्व के विभिन्न देशों में सहज कृषि पर अनुसंधान कार्य एवं गाँवों में प्रचार-प्रसार किये जा रहे हैं। जिनके परिणाम उत्साहजनक मिल रहे हैं। श्रीमाताजी का सपना था कि सहज योग-सहज कृषि गाँव-गाँव में फैलाए, आओ हम सब मिलकर माँ का सपना साकार करें।

सहज कृषि से फायदा

1. ज्यादा खाद्यान्न उत्पादन
2. पौधों की अच्छी बढवार / विकास
3. प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा
4. पशु आहार की क्वालिटी में सुधार

5. पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार, रोग प्रातिरोधकता

6 दुग्ध उत्पादन में बढोतरी

राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट-सहज कृषि परीक्षण के दिशा निर्देश

1. **मूलभूत सिद्धान्त-जो भी सहजयोगी इस प्रोजेक्ट में भाग ले रहा है नियमित ध्यान करेगा, सामूहिकता में रहेगा, पानी क्रिया करेगा तथा अपने आप को संतुलन में रखेगा।**

यह सुनिश्चित करेगा कि ध्यान के समय स्पष्ट चेतन्य लहरियाँ महसूस कर रहा है। हमेशा सामूहिकता में रहने का प्रयास करेगा।

सहज कृषि परीक्षण का उद्देश्य अन्य कृषकों को सहजयोग की चैतन्य लहरियों के प्रभाव को दिखाना है, अतः दो प्लाट क्रमशः इ(परीक्षण चैतन्यमय, सी)(कन्ट्रोल-बिना चैतन्य) तुलनात्मक अध्ययन के बनाने होंगे।

2. **परीक्षण केटेगरी-हमेशा यह ध्यान रखना होगा कि ये कृषि परीक्षण श्रीमाताजी निर्मला देवी के आशीर्वाद से, चैतन्य लहरियों से कराये जा रहे हैं न की किसी अमुक सहजी द्वारा, इस प्रकार में तीन प्रकार के परीक्षण किये जायेगें।**

(1) फसलीय परीक्षण (2) उघानिकी पेड़ पौधे परीक्षण। (3) पशु/पक्षी परीक्षण

अतः सहजी अपनी क्षेत्रीय आवश्कताओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षण चयन करें।

3. **कृषि तकनीकी-श्रीमाताजी निर्मला देवी का पूर्ण अलंकार कर, मोमबत्ती जलाकर काम में आने वाले कृषि आदान क्रमशः बीज/ चारा/ उर्वरक/ खाद/ जीवन्त वस्तु/ पानी इत्यादि को माताजी के चरण कमलों मे रखकर चैतन्यित करें।**

सहजयोगियों द्वारा सामूहिक ध्यान किया जावे तथा सामूहिकता में श्री गणेश अथर्वाशीर्श एवं श्री शाकम्भरी मंत्र का जाप भी करें।

1. **फसलीय परीक्षण-**

(1) उपयुक्त फसल का चयन करें (2) उपयुक्त प्लाट का चयन करें एक प्लाट में चैतन्य परीक्षण (प) तथा दूसरे में (कृषक विधि) कन्ट्रोल प्लाट (क) दोनों प्लाटों में सभी कृषि विधियाँ क्रमशः जुताई, बीज, खाद एवं उर्वरक, सिंचाई इत्यादि सामान रूप से अपनाई जायेगी बिना किसी भेदभाव के। सहजी कृषक अपनी सुविधा के अनुसार बड़े क्षेत्र में भी परीक्षण कर सकता है। लेकिन बराबर क्षेत्र होना आवयक है।

(2) फसलीय परीक्षण के अमुक फसन का बीज क्षेत्र के अनुसार दो भाग में कर एक भाग श्री माताजी के समक्ष रखकर चैतन्य कर लें। बाद में इस चैतन्यमय बीज को एक भाग में मिला दें। दूसरे कन्ट्रोल प्लाट बिना चैतन्य के बीच को बोया जावे।

(3) दोनों प्लाट में बुवाई, जुताई, खाद एवं उर्वरक, सिंचाई, कीट रसायन समान रूप से दी जाये किसी भी प्रकार का भेदभाव ना हो।

(4) बीज अंकुरण के जाँच के लिए दोनों प्लाट के 100-100 बीज छिद्रयुक्त छलनी में मिट्टी भरकर रखा जावे/अंकरित हुए बीज संख्या गिनकर रिकोर्ड संधारित किया जावे।

(5) दोनों प्लाट में रेण्डम पद्धति के आधार पर 10-10 पौधें चयन कर टैग बांध दें तथा आवश्यक सूचनाएँ/आँकड़े किसी अन्य व्यक्ति से लिखवाकर निर्धारित प्रपत्र संख्या एक (1) में भरें।

(6) सभी सूचनाएँ/आकड़ें नोडल सहज योगियों के मार्फत कृषि उप समिति को भिजवायेगें जिससे फसल के फोटो, फसल की बाली/भुट्टा/सिट्टा दोनों

प्रस्तुत किया जावेगा तत्पश्चात् भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं कृषि विश्वविद्यालयों को भी अनुमोदनार्थ भेजा जावेगा।

अत: निवेदन है कि राज्य समन्वयक, जिला समन्वयक इस राष्ट्रीय सहजयोग कृषि प्रोजेक्ट में दिल खोलकर, सामूहिकता के साथ सहयोग प्रदान कर मिशन को सफल बनायें।

हम आशा करते हैं कि श्रीमाताजी निर्मला देवी बहुत बड़े कृषि समुदाय को अपने चरण कमलों में रखते हुए आत्मसाक्षात्कार देकर मानवीय उत्थान के पथ ले जाना चाहती हैं। इसमें कृषकों का उत्पादन बढ़ेगा एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आओ हम सब मिलकर श्रीमाताजी का सपना

साकार करें।

प्लाट के तुलनात्मक अध्ययन हेतु भी साथ में भेजे जायेगें।

(7) फसल कटाई के बाद दोनों प्लाट की उपज ध्यान देकर अलग-अलग रिकार्ड कर तुलनात्मक स्थिति बतलायेंगे।

(8) एक महत्त्वपूर्ण सूचना मौसम सम्बन्धी जैसे भारी बारिश, सूखा पाला, तेज हवा, भूचाल एवं अन्य विपदा के सम्बन्ध में भी सूचनायें अन्त में विवरण दें, क्या इसका प्रभाव चैतन्य प्लाट एवं कन्ट्रोल प्लाट पर देखने को मिला।

2. उद्यानिका परीक्षण-मूलभूत उद्देश्य एवं विधि जो कि फसलीय परीक्षण में बतलाई गई है, उद्यानिकी परीक्षणों में भी लागू रहेगी, अगर कृषक के पास पुराना बगीचा है तो रेण्डम तरीके से 14-14 पेड क्रमशः चैतन्य व कन्ट्रोल प्लाट का चिन्हीकरण कर सूचनायें/ रीडिंग ले सकता है। इन बगीचों में चैतन्यमय पानी, खाद/ उर्वरक का उपयोग किया जावेगा।

अगर नई उद्यानिकी फसलों को रोपण किया जाता रहा है तो फसलीय परीक्षण के अनुसार बीज/ रोपण कटिंग व पौधें या जीवन्त चीजों को चैतन्य कर उपयोग में लेंगे। इन परीक्षणों की सूचनायें प्रपत्र संख्या दो (2) में संधारण किया जायेगा।

3. पशु विज्ञान परीक्षण-

(1) जहाँ तक हो सके छोटे पशु/पक्षी जैसे खरगोश, ईमू बछड़े, पक्षी, मुर्गी इत्यादि का चयन इन परीक्षणों में करें।

(2) चैतन्य व कन्ट्रोल के लिए 14-14 पशु/ पक्षियों का चयन किया जावे जिससे जाति, उम्र एवं वजन जहाँ तक हो सके दोनों परिस्थितियों में समान हो।

(3) पशु विज्ञान परीक्षण मुख्यतया चैतन्यमय पानी व चारा इत्यादि को आधार मानते हुए किये जावेंगे। पहले 8 दिन किसी भी प्रकार की रीडिंग नहीं लेते हुए बाद की सभी सूचनायें प्रपत्र-3 में भरे, इस परीक्षण में यह ध्यान रखना है कि 56 दिन बाद चैतन्यमय पशु/पक्षी को कन्ट्रोल के स्थान (बाडा) में रखा जावे तथा कन्ट्रोल पशु / पक्षी को चैतन्यमय स्थान पर रखना है, यह ट्रायल भी आगे 56 दिन तक जारी रखनी है। इन परीक्षणों की सूचनायें प्रपत्र संख्या तीन (3) में संधारण किया जायेगा।

अतः सभी दिशा निर्देशों का सही पालन करते हुए रीडिंग लेवे एवं सूचनाओं/ आंकड़ों इत्यादि के लिए संलग्न शीट में विवरण दिया जा रहा है, जिसमें अंकुरण, पौधों की ऊँचाई, चौड़ाई, फैलाव नापने की सही विधि फोटों के माध्यम से समझाई गई है।

नोट- कृपया अपने राज्य/क्षेत्र में सभी केन्द्रों पर भिजवाने की कृपा करें व कृषि से सम्बन्धित सहजयोगियों से खरीफ/ रवि मौसम की कुछ फसल सहज-योग पद्धति से बोने की प्रार्थना करें।

परिष्ठि निरीक्षण: सचित्र पद्धति

1.	अंकुरण क्षमता टैस्ट		छिद्रयुक्त प्लास्टिक ट्रे या मिट्टी से भरा हुआ। पात्र 100 बीजों की बुवाई कर पानी देना।
		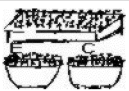	पूर्ण अंकुरण के पश्चात् पौधों की संख्या गिनना एवं प्रतिशत निकलगा
2.	पौधें की ऊँचाई		ऊँचाई (से. मी.)
3.	पौधों का फैलाव		पूर्व-पश्चिम घेर(सेमी.) दक्षिण-उत्तर घेर (सेमी.)
4.	भुट्टा/सिट्टा की साईज	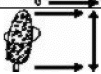	ऊँचाई लम्बाई एवं घेर (परिधि) से. मी.
5.	अनाज का वजन		खाली पात्र का वजन 100 ग्राम बीज खाली बर्तन का वजन कम करके पुन: वजन
6.	प्राथमिक शाखायें		प्राथमिक शाखयें
7.	फूल का व्यास		घेर (सेमी.)
8.	जानवन के शरीर का नाप		छाती का घेरा

फसलीय परीक्षण रिकार्ड संधारण हेतु प्रपत्र-1

क्र. सं.	कृषकका नाम	फसल	किस्म	क्षे.फ. वर्ग मी.		बीज की मात्रा किलो		बुवाई का तरीका एवं बुवाई दिनांक	अंकुरण दिनांक एवं अंकुरण प्रतिशत	पौंधे की ऊँचाई (सेमी.)					
										परीक्षण			कन्ट्रोल		
										30 दिन	60 दिन	90 दिन	30 दिन	60 दिन	90 दिन
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11			12		

फूल आने की दिनांक		सम्पूर्ण फूल अवस्था दिनांक		फसल पकने की दिनांक		कटाई दिनांक		पैदावार क्वि./है.		कीट/बीमारी प्रेक्षण		बाली की लम्बाई		100 ग्राम वजन या 1000 दानों का वजन		दानों की क्वालिटी	
परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल

उद्यानिकी परीक्षण रिकार्ड संधारण हेतु प्रपत्र-2

क्र. सं.	कृषक का नाम	फसल	किस्म	पेड़ों की संख्या		नये पेड़ों का रोपण		पेड़ रोपण की विधि	पौधों की ऊंचाई एवं फैलाव (सेमी)		प्राथमिक शाखाओं की संख्या (नये बाग में)	फूल आने की दिनांक		भरपूर फूल अवस्था दिनांक	
				परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल		परीक्षण	कन्ट्रोल		परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल

फूलों का व्यास (फूलों की खेती में)		फूल/डंठल की लम्बाई (सेमी.)		फूलों की संख्या प्रति बीघा		फूल/फल पैदावार वि/है.		लम्बे समय तक रहने की क्वालिटी	
परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल	परीक्षण	कन्ट्रोल

पशु/पक्षी परीक्षण रिकार्ड संधारण हेतु प्रपत्र-3

क्र. सं.	कृषक का नाम	पशु/पक्षी का परीक्षण में उपयोग	जाति नस्ल	पशु/पक्षी की संख्या		परीक्षण शुरू करने की दिनांक		पानी, चारा की मात्रा उपभोग में ली किलो/लीटर		शुरू में पशु/पक्षी का वजन ग्राम/किलो		अन्तिम वजन 28 दिन बाद		कीट/बीमारी का प्रकोप	
				परीक्षण प्लाट (चैतन्यमय)	कन्ट्रोल प्लाट (अचैतन्यमय)	परीक्षण प्लाट (चैतन्यमय)	कन्ट्रोल प्लाट (अचैतन्यमय)	परीक्षण प्लाट (चैतन्यमय)	कन्ट्रोल प्लाट (अचैतन्यमय)	परीक्षण प्लाट (चैतन्यमय)	कन्ट्रोल प्लाट (अचैतन्यमय)	परीक्षण प्लाट (चैतन्यमय)	कन्ट्रोल प्लाट (अचैतन्यमय)	परीक्षण प्लाट (चैतन्यमय)	कन्ट्रोल प्लाट (अचैतन्यमय)

नोटः सहज कृषि की समस्त जानकारी की प्रगति भेजे-श्री जी. डी. पारीक राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट C/O एच. एच. श्री माताजी निर्मला देवी सहयोग ट्रस्ट, जनोपयोगी भवन के पीछे, मन्दिर मार्ग, सेक्टर 9, मानसरोवर, जयपुर को भेजे। मो.9828451514,

ई-मेलः- gdpareek@yahoo.com

II JAI SHRI MATAJI II

जय श्री माताजी

राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट-सहज कृषि परीक्षण परिणाम प्रपत्र-1

एच. एच. श्रीमाताजी निर्मला देवी सहज योग ट्रस्ट

सहज योज प्रचार-प्रचार, जयपुर

a. Name of Farmer : _____
नाम कृषक

Sahajayoga Kendra :_____
सहजयोग केन्द्र

City : _____
शहर

b. Name of Crop / Animal on which experiments is done :
फसल/पशु का नाम जिसमें परीक्षण किये गये

c. Area used for experiment : _____
परीक्षण का क्षेत्र

d. Seed vibrated on Date : _____
बीज चैतन्य करने की दिनांक

e. Sowing done on Date : _____
बुवाई दिनांक

f. Germination test results : _____E _____C _____
अंकुरण टैस्ट का परिणाम प्रदर्शन कन्ट्रोल

g. Overall crop growth : _____
फसल की बढ़वार

On day 30 _____
दिन 60 _____
90 _____

After Sowing बुवाई के बाद

h. Yield of crop : _____
फसल की पैदावार (क्विं./है.)

i. Quality observed : _____
क्वालिटी का विवरण

j. No. of Non S.Y. farmers whom the experiment was shown : _____
क्या परीक्षण को आस-पास के कृषकों ने देखा।

k. Photos of crops E & C (to be enclosed)
फसल के फोटो (परीक्षण एवं कंट्रोल प्लाट संलग्न करें)

l. Name of Non S.Y. person who accompanied while recording observations :
कृषकों के नाम जो परीक्षण की सूचनायें रिकॉर्ड करते समय उपस्थित थे

Signature हस्ताक्षर
(State Co-ordinator) स्टेट कोर्डिनेटर

Signature हस्ताक्षर
(S.Y. Farmer) सहजी कृषक

नोट: सहज कृषि की समस्त जानकारी की प्रगति भेजे-श्री जी.डी. पारीक सहज कृषि प्रोजेक्ट एच.एच. श्री माताजी निर्मला देवी सहजयोग ट्रस्ट, जनोपयोगी भवन के पीछे, मन्दिर मार्ग,सेक्टर 09, मानसरोवर, जयपुर को भेजे।

मो.: 9828451514 ई-मेल: gdpareek@yahoo.com वेबसाइट: Www.sahajkrishi.com

II JAI SHRI MATAJI II

जय श्री माताजी

राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट-सहज कृषि परीक्षण अनुभव प्रपत्र-2

एच. एच. श्रीमाताजी निर्मला देवी सहज योग ट्रस्ट

सहज योज प्रचार-प्रचार, जयपुर

Venue : _____

स्थान

Name of Sahaji Farmer:_____

सहजी कृषक का नाम

State:_____ City: _____ S.Y. Kendra: _____

राज्य

Contact No. _____

सम्पर्क नम्बर

Sahaja Krishi Experiment done before: _____YES / NO _____

क्या पूर्व में सहज कृषि परीक्षण किया हाँ / नहीं

If Yes _____ In which year _____

अगर हाँ तो किस वर्ष

On which crop _____

किस फसल में

Experiecnes of the Experiment: YIELD INCREASED

परीक्षण के सम्बन्ध में अनुभव पैदावार में बढ़ोतरी

QUALITY IMPROVED

क्वालिटी में सुधार

Are you willing to do Sahaja Krishi experiment in year.....YES / NO _____

क्या आप वर्ष..... में सहज कृषि परीक्षण करने के इच्छुक है ? हाँ / नहीं

Signature _____

हस्ताक्षर

Name: _____

नाम

नोट: सहज कृषि की समस्त जानकारी की प्रगति भेजे-श्री जी.डी. पारीक सहज कृषि प्रोजेक्ट एच.एच. श्री माताजी निर्मला देवी सहजयोग ट्रस्ट, जनोपयोगी भवन के पीछे, मन्दिर मार्ग,सेक्टर 09, मानसरोवर, जयपुर को भेजे।

मो.: 9828451514 ई-मेल: gdpareek@yahoo.com वेबसाइट: Www.sahajkrishi.com

राष्ट्रीय सहज योग कृषि कमेटी के सदस्य वर्ष 2015

क्र. सं.	नाम	पद	स्थान	मोबाइल नं.
1.	श्रीचन्द चौधरी	अध्यक्ष	जयपुर	09829010470
2.	श्री एम. बी. कुलकर्णी	सदस्य	पूना (महाराष्ट्र)	09921179439
3.	श्री जी. डी. पारीक	सदस्य सचिव	जयपुर (राज.)	09828451514
4.	श्री जगपाल सिंह	सदस्य	हरिद्वार (उत्तरांचल)	09412023937
5.	श्री पी. आर. टी. बिहाड़े	सदस्य	नासिक (महाराष्ट्र)	09552273001
6.	श्री एन. नागराज	सदस्य	हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)	09391144445
7.	डॉ. वी. के. मोहन्ती	सदस्य	भुवनेश्वर (ओड़िशा)	09437360998
8.	श्री वी.वी.एस.सी. चौहान	सदस्य	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	09450420005
9.	श्री जे. डी. कौशल सैनी	सदस्य	सहारनपुर (उत्तर प्रदेश)	09719621155
10.	श्री सी. मोहन	सदस्य	पालखाड (केरल)	09447839465

11.	डॉ. वीरेन्द्र सिंह	सदस्य	पालमपुर (हि.प्र.)	09418045229
12.	श्री मनोज कुमार चौधरी	सदस्य	नेपाल	09842826437
13.	श्री महेश सैनी	सदस्य	हरियाणा	09034555205
14.	श्री दिलीप जैन	सदस्य	इन्दौर (मध्यप्रदेश)	09425071971
15.	श्री दीपक कुमार कंचन	सदस्य	शेरवासुन (बिहार)	09709058999
16.	श्री विजय पटेल	सदस्य	छिंदवाड़ा (एम.पी.)	09425360783
17.	श्रीमती सुमित्रा ओराम	सदस्य	रांची (झारखंड)	09471169561
18.	श्री शशि सिंह	सदस्य	रांची (झारखंड)	09234001888
19.	श्री हेमा चक्रवर्ती	सदस्य	मैसूर	09860254591
20.	श्री हरिविन्दर चीमा	सदस्य	मोहाली (चंडीगढ़)	09872663231
21.	डॉ. विनोद कुमार	सदस्य	घाघराघाट बहराइच (यूपी)	09415764997
22	श्री एच. आर. जैसवाल	सदस्य	पन्तनगर (उत्तरांचल)	09097165967

23.	डॉ. अरविन्द राजपुरोहित	सदस्य	पूना (महाराष्ट्र)	07875187505
24.	श्री एच. के. सोंलकी	सदस्य	जयपुर (राज.)	09414291732
25.	कर्नल प्रताप	सदस्य	काशीपुर (उत्तरांचल)	09012951907
26.	श्री लहर चन्द पटवा	सदस्य	सिलचर (असम)	09435072707
27.	श्री सी. कृष्ण कुटी	सदस्य	पलखाड़ (केरल)	09744390667
28.	श्री मनोज वर्मा	सदस्य	छतीसगढ़	09406304577
29.	श्री सुरेश आपा कुलकर्णी	सदस्य	नासिक (महाराष्ट्र)	09860932430
30.	श्री राजू पंवार	सदस्य	नासिक (महाराष्ट्र)	
31.	श्री विजय राज सिंह	सदस्य	धिन्दवाडा (मध्य प्रदेश)	09806231877
32.	डॉ. अमर सिंह राठौर	सदस्य	रतलाम (मध्य प्रदेश)	09307231072
33.	श्री शंकर भाई पटेल	सदस्य	पालनपुर (गुजरात)	09429088269
34.	श्री नरेश पटेल	सदस्य	पालनपुर (गुजरात)	09426304007
35.	श्री सेन्थिल कुमार	सदस्य	तमिलनाडु	09841565425

36.	श्री राजा दुराई	सदस्य	तमिलनाडु	09840288102
37.	श्री अनिल गोविन्द	सदस्य	कालीकट केरल	anilgovind007 @gmail.com
38.	श्रीमती पद्मा धारा	सदस्य	मैसूर	-
39.	कर्नल मूर्ति	सदस्य	मैसूर	09866254491
40.	श्री चैनसुख सैनी	सदस्य	रोहतक	09254895590
41.	श्री रमेश	सदस्य	हिसार	0941623672
42.	श्री डॉ. रवीन्द्र पिहपंवार	सदस्य	उज्जैन	09893108234
43.	श्री नरेश मान	सदस्य	अलीपुर, (दिल्ली)	07838253622
44.	श्री दिनेश वर्मा	सदस्य	उज्जैन	09713414505
45.	श्री प्रवीण कम्बोज	सदस्य	यमुनानगर	kambojparvee nerediff.mail. com 09896097481
46.	कु. सुजाता दास	सदस्य	इन्दौर	09926007889
47.	श्री देवेद	सदस्य	नीमच	09827581360
48.	श्री गोर्वधन तिवारी	सदस्य	बाडवाह	09926052019
49.	श्री दीपिका गोखले	सदस्य	महु	09977300740 0
50.	श्री दिनेश गौरानी	सदस्य	इन्दौर	09425904992
51.	श्री धीरज भट्ट	सदस्य	रांचि	09470587311
52.	श्री वी. एस. वी. सुब्बाराव	सदस्य	आंध्रप्रदेश	09849689703

53.	श्री जी. के. चिनचोलकर	सदस्य	महाराष्ट्र	09011299853
54.	श्री डॉ. अमित	सदस्य	हिसार	09812212777
55.	श्री बी. एन. तिवारी	सदस्य	गोरखपुर	9415314298
56.	श्री आई. सी. सारस्वत	सदस्य	लखनऊ	9807532253
57.	श्री कुडाले नाना	सदस्य	नासिक	9766730300
58.	डॉ. मंगेश देशमुख	सदस्य	पुना	9970470333
59.	पूजा राजपूत	सदस्य	फरीदाबाद	9990228296
60.	श्री क्षैतिज चौहान	सदस्य	फरीदाबाद	8744040707
61.	श्री नरेश कुमार पंवार	सदस्य	करनाल	8295909815
62.	श्री शैलेन्द्र	सदस्य	इंदौर	9926040424
63.	श्री यू. एस. तिवारी	सदस्य	गवालियर	8823842074
65.	श्री बद्रीलाल मालवीय	सदस्य	धार	8889183963
66.	श्री देवेन्द्र शर्मा	सदस्य	अजमेर	7737313577
67.	श्री एल. आर. गौसल्या	सदस्य	जयपुर	8107536677
68.	डॉ नितिन पटेल	सदस्य	बीकानेर	9414721588
69.	श्री नन्दू गिरि	सदस्य	जोधपुर	9462276375
70.	श्री मांगीलाल ग्यारी	सदस्य	उदयपुर	9309026941
71.	श्री अनिल कुमार निर्मल	सदस्य	जयपुर	7073922266

72.	श्री एच. के. सोलंकी	सदस्य	जयपुर	9414291732
73.	डॉ आर. एन.वासु	सदस्य	कानपुर	9839100380
74.	श्री दिवाकर	सदस्य	हरदोई यू.पी.	9795362599
75.	डॉ आर. के. मंजरी	सदस्य	देहरादून	9411384333
76.	श्री सावंर भाई पटेल	सदस्य	पालनपुर	9429088269
77.	श्री गणेश अलीवा	सदस्य	अहमदाबाद	8980455800
78.	श्री रमेश कम्बोज	सदस्य	यमुना नगर	9813222933
79.	श्री मनोज कुमार	सदस्य	कोलकत्ता	9735044818
80.	श्री ए. के. दीक्षित	सदस्य	विलासपुर	9167395039
81.	डा. सतपाल	सदस्य	गुड़गाँव	9312155031
82.	श्री सुनील दत्त	सदस्य	दिल्ली	9911600404
83.	श्री निर्मल कुमार दास	सदस्य	उड़ीसा	9437048732
84.	श्रीमती रश्मि मोहंती	सदस्य	भुवनेश्वर	9438626352
85.	श्री कालाकर दास	सदस्य	भुवनेश्वर	9861228044
86.	श्री आनन्दा मरानंदी	सदस्य	भुवनेश्वर	9439888611
87.	श्री स्वरूप मोदी	सदस्य	प. बंगाल	9153037132
88.	श्री माधव बेहरा	सदस्य		9062656516
89.	श्री राजेश दास	सदस्य		8609498440
90.	श्री परेश करमाकर	सदस्य		9185142382

नोट-प्रत्येक राज्य के स्टेट कोर्डीनेटर में निवेदन है कि सहज कृषि कोर्डिनेटर की अलग से नियुक्ति कर इस कार्य में सहयोग प्रदान करें। सदस्य के नाम में यदि परिवर्तन करना चाहे तो कृपया सूचित करें।

अब साधना व मंत्रों से डेढ़ गुना ज्यादा पैदावार

लता खंडेलवाल | जयपुर

निगेटिविटी खत्म कर बीज और पानी को करते हैं परम चैतन्य

गुवाहटी में पानी-बीज को चैतन्य करते ट्रेनर।

कृषि वैज्ञानिकों ने माना-तकनीक प्रभावशाली

वर्ष 19 | अंक 341 | महानगर | दैनिक भास्कर समूह | 14 राज्य | 61 संस्करण

अब साधना व मंत्रों से डेढ़ गुणा ज्यादा पैदावार

लता खंडेलवाल 29.2015 जयपुर, 30.11.15

साधना और मंत्रों से ज्यादा पैदावार। भले ही मामला आस्था का लगे, लेकिन ऐसा हो रहा है। विज्ञान प्रमाण मांगता है लेकिन वह भी इस पद्धति को कारगर बता रहा है। तभी तो राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र के 10 रिसर्च सेंटर्स में इस पर शोध जारी है। खेती की इस तकनीक को नाम दिया गया है सहज कृषि। खुद कृषि वैज्ञानिक मान रहें हैं कि इस पद्धति से पैदावार तो बढ़ती है, बिना कीटनाशक के फसल भी सुरक्षित रहती है। इटली, पोलैंड, स्विटजरलैंड और फ्रांस से भी शोधार्थी तकनीक सीखने भारत आ रहे हैं। देश के 20 राज्यों में सहज कृषि चल रही है। जयपुर में इस पद्धति को माताजी निर्मला देवी योग ट्रस्ट लेकर आया। ट्रस्ट की यूथविंग के चेयरमैन लेफ्टिनेंट जनरल वी. के. कपूर का दावा है कि काजरी ने भी इस पद्धति का परीक्षण किया है। जिससे 30% पैदावार अधिक मिली। यह भी दावा है कि सहज खेती से पैदा हुए अनाज में लंबे समय तक कीड़े भी नहीं लगते।

निगेटिविटी खत्म कर बीज और पानी को करते हैं परम चैतन्य

सहज योग कृषि श्री माताजी निर्मला देवी ट्रस्ट के प्रचार-प्रसार अध्यक्ष श्रीचंद चौधरी ने बताया इस पद्धति के तहत सामान्य बीजों पानी के बजाय इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वाइब्रेशन से तैयार बीज और पानी का खेती में इस्तेमाल किया जाता है। बीज-पानी को परम चैतन्य की स्थिति में लाया जाता है। आध्यात्मिक शक्ति के सामने दीपक प्रज्वलित किया जाता है। और उसके आगे पानी और बीज रखे जाते हैं। दीपक से पानी और बीज की निगेटिविटी खत्म होती है। मंत्रोच्चारण से पानी और बीज इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वायब्रेट हो जाते हैं। पानी को कुएं में मिला दिया जाता है। बीजों को खेती में इस्तेमाल किया जाता है।

कृषि वैज्ञानिकों ने माना-तकनीक प्रभावशाली

सहज योग तकनी का फसलों में सकारात्मक परिणाम सामने आया है। 30% तक अधिक फसल मिलने के प्रमाण है। घनश्यामदास पारीक, जॉइंट डायरेक्टर (सेवानिवृत्त), कृषि विभाग, राजस्थान, जयपुर।

हम लोगों ने राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र के निर्देश पर रिसर्च की है। नतीजे आ चुके हैं, अभी खुलासा नहीं करत सकते। -डॉ. ए. के. शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, काजरी (जोधपुर)

सहज कृषि पर गीत एवं कविताओं का प्रस्तुतीकरण दिनांक 16 नवम्बर, 2015

श्री बद्रीलाल मालवीय, धार(म. प्र.) मो. 8889183963

(1)

म्हारा खेता में छाई, बहार, खेती मने प्यारी लगे। सहज कृषि प्यारी लागे।

म्हारा खेता में गेहूँ जुवार मक्की मने प्यारी लगे 71 सहज कृषि प्यारी लगे।

सहज कृषि अपनाओ म्हारा भाई, धरती ने मेहंदी लगाओ मेरे भाई।

अब तो चैतन्य की होवे बरसात, सहज कृषि प्यारी लगे।।

म्हारा खेता में छाई बहार सहज कृषि प्यारी लगे

चैतन्य बीज पानी करी के भैय्या, सहज कृषि अपनाओ भैय्या।

अब तो धान का होवे भण्डार, सहज कृषि प्यारी लागे।।

कुँआ खोदाई नी पंप लगाऊँ, सिंचो धरती होवे अन्त अपार।

सहज कृषि प्यारी लागे।

चैतन्यबीज पानी खेता में डालो, तब तो होवे धान अपार।

गेहूँ मालवी ने पीसी मिक्सीकन, लीला होया री आई बहार।।

अंबो मने प्यारी लागे

(2)

हम भारत के भारत अपना ऋषि मुनियों का देश,

ध्यान लगाओ सहजी बनाओ, यही आन संदेश,

हम भारत के सहजी सारे, सबको सहज बनाना है।

बंधन ले लो कुण्डली जगाओं, यही आज संदेश।।

तीन मंत्र यह महायंत्र है, इनको बोलो सहजी।

चेतन की सरिता से सबको आज मिलान है।।

हम भारत के भारत अपना, ऋषि मुनियों का देश।।

ध्यान लगाओ यही आज संदेश।।

(3)

मालव धरती ने पर पायो भैय्या सोयाबीन उगायो है। सहज कृषि अपनाओ रे।

कम लागत में ज्यादा धान है कमायो, धन्य हुआ किसान जिन्हें सोयाबीन उगायो।।

मालव धरती वर पायो भैय्या पौष्टिक इनको तेल है भैय्या।
पौष्टिक व्यंजन भायो है इनके स्वयं ने स्वाद लिलो।।
सब तरफ से फायदो दूगनों धान कमानो है।
अपनी मालवी धरती पर सोयबीन उगाने है।।
जैविक खाद डालि के भैय्या खर पतवार कटानो है।
मालव धरती ने वर पायो नगद फसल सोयाबीन भैय्या।।
चांदी सोनो कमानो है इनकी फसल सिके भैय्या।
दूगनो धन कमानो है।

(4)

कदम कदम सहजी बनाते चले, उठो की सज दीप जलाते चले।

मुक्त खोरिया छोड़ दो अहंकार छोड़ दो, सत्य पथ पर चलके दीप जलाते चलो।।

दीप से दीप जलाते चलो मां की शक्ति महान माता जी को मानलो।
अहंकार छोड़कर माताजी को जान लो।।
दिन दुखियों को गले लगाके चलो, उठो भी सहज दीप जलाते चलो।
कदम कदम पे नये सहजी बनाते चलो।।
उठो की सहजी दीप जलाते चलो।

(5)

सहज कृषि अपनाकर जागा भाग्य तुम्हारा, बदल गया किसान हमारा।

बदल गई युग धारा है, बदल गया इतिहास हमारा।।

बदल गया जीवन सारा है, खेत खेत में गेहूँ बोकर,

चेतन रस बरसो दो, सहज कृषि ने अब बदला जीवन सारा।।

धन्य हुये किसान हमारे धन्य भाग हमारा, देकर सहज का सहारा माताजी ने।

बदल पानी रख दो, चौबीस घण्टे में जाकर।।

बीज पानी खेत में डालो।।

Free From Hospital
HOSPITAL
Agriculture
Sahaja
Krushi
Food Storage
Animal Farming

❑❑❑